'हरीश' के बल पर 'दुकान' चलाने वाले या 'नैया' पार लगा 'पाएगें'?

किसान मोर्चा, जनता युवा मोर्चा, अल्प संख्यक मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा, एससी/एसटी मोर्चा के पदाधिकारियों की होगी असली परीक्षा

» लड़ाई तो सब लड़ेगें, पर सेनापति पर कितना विश्वास रहेगा, यह देखने वाली बात होगी » लड़ाई के समय भेदभाव भुलाकर सेनापति पर सैनिकों को विश्वास करना चाहिए, भाजपा ने इस चुनाव को देवासुर संग्राम का नाम दिया » 'महाभारत' की इस 'लड़ाई' में 'भाजपा' तो 'पाडंव', मगर 'कौरव' कौन?

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...सवाल उठ रहा है, कि सालों से 'हरीश द्विवेदी' के नाम पर दुकान चलाने वाले क्या इनकी नैया को डुबो देगें या फिर खेवनहार बनकर पार लगाएगें? यह सही है, कि हरीष की नैया को मझदार से निकालने और डुबोने में दुकान चलाने वालों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी, और इन लोगों के लिए सांसद को रिटर्न करने का इससे सुनहरा अवसर नहीं मिलेगा।

अब देखना है, कि यह लोग 'फारचूनर' लेकर पीछे-पीछे चलते हैं, या फिर जीत का जश्न मनाते है। सबसे कठिन परीक्षा किसान मोर्चा, जनता युवा मोर्चा, अल्प संख्यक मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा, एससी/एसटी मोर्चा के पदाधिकारियों की होने वाली है। अगर यह लोग मिलकर हरीष द्विवेदी की नैया पार लगाने में सफल होते हैं, तो इनकी जय-जयकार होगी, और अगर नहीं होते हैं, तो माना जाएगा, कि इन लोगों ने अपने वाहनों में अध्यक्ष का स्टीकर लगाकर घूम-घूम कर दुकानदारी के सिवाय और कुछ नहीं किया। सांसदजी को उन मोर्चा के अध्यक्षों पर सबसे अधिक भरोसा हैं, जिनके कृपा से इन्हें अपने वाहनों में अध्यक्ष का स्टीकर लगाने का अवसर मिला। वैसे इन लोगों की गतिविधियां किसी से छिपी हुई नहीं हैं, अधिकतर अध्यक्षों ने अपने दायित्वों का निर्वहन ठीक तरीके से नहीं किया, इन लोगों ने न तो कोई बड़ी रैली किया, और न कोई सम्मेलन और न यह भारी संख्या में ही अपने बिरादरी के लोगों को पार्टी और सांसद से जोड़ पाए।

इन लोगों का अधिकतर समय सांसद के पीछे-पीछे काफिला के साथ चलने में और दुकान चलाने में बीता। यह लोग तो ठीक तरीके से अपने बिरादरी के हितों तक की रक्षा नहीं कर पाए और न उन्हें न्याय ही दिला पाए, लड़ाई लड़ना, दरी बिछाना और सड़क पर उतर कर आवाज उठाना तो बहुत दूर की बात है। बिंडबना यह है, कि सांसदजी को सबसे अधिक भरोसा इसी सेना पर ही है। कहना गलत नहीं होगा, कि इनमें कई ऐसे अध्यक्ष भी है, जो सांसद के लिए वोट दिलाना तो बहुत दूर की बात हैं, अगर यह लोग अपनी बूथों को जीता ले गए, तो वही इन लोगों की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। देखा जाए तो असली परीक्षा इन्हीं लोगों की होने वाली है। इन मोर्चा के एक भी ऐसे अध्यक्ष नहीं हैं, जिन्होंने अपने बिरादरी के लोगों के लिए कुछ खास किया हो। अगर इनसे कोई यह पूछ ले कि भाई इतने सालों में आप ने कितने लोगों को भाजपा से जोड़ा, कितने लोगों को न्याय दिलाया, कितने लोगों के हितों की लड़ाई लड़ी तो षायद इनके पास बताने के लिए कुछ खास नहीं होगा।

तेजयुग फॉलोअप खबर

क्षेत्र के लोगों का कहना हैं, कि दुकान चलाने वाले लोग क्या किसी को जोड़ पाएगें, इन्हें दुकान चलाने से फुर्सत मिले, तब तो यह जोड़े। कहते हैं, कि जोड़ने के लिए साफ-सुधरी छवि का होना अतिआवष्यक है, और जिन लोगों की छवि अपने गांव में ही अच्छी न हो, वह कैसे लोगों को भाजपा से जोड़ पाएगा, और क्यों गांव वाले उनके कहने पर हरीष को वोट देगें। लोगों की माने तो इस चुनाव के बाद सबसे अधिक अगर किसी की पोल खुलेगी तो वह है, मोर्चा के अध्यक्षों की।

लोकसभा का चुनाव एकदम करीब है। भाजपा फिलहाल बढ़त बनाए रखने वाली पार्टी मानी जा रही है। यह बढ़त स्थाई रुप से बनी रहेगी? इसका कोई भरोसा नहीं। जिन पन्ना प्रमुखों और विभिन्न संगठनों के मोर्चा प्रकोष्ठ के बल पर भाजपा उंची उड़ान भर रही है, वह कितने जोड़ें, और कितना जुड़े। कहा जाता है, कि लड़ाई के समय सारे भेदभाव भूल कर सेनापति पर सेना को विष्वास अपने सेनापति का साथ देना चाहिए। भाजपा ने इस लड़ाई को 'देवासुर संग्राम' का नाम दिया है। इस महाभारत की लड़ाई में भाजपा तो पांडव हैं, मगर कौरव कौन हैं, अभी चिन्हित नहीं हो पाया। लड़ाई तो सब लड़ेगे, पर सेनापति पर कितना विष्वास करके लड़ेगें, यह देखने वाली बात होगी। इसे लेकर भाजपा और हरीष द्विवेदी के षुभचिंतकों की चिंता स्वाभाविक है। मान-मनौव्वल और डैमेज कंटोल तो होगा ही लेकिन विभिन्न मोर्चा प्रकोष्ठों के कार्यकर्त्ता/ पदाधिकारियों की निष्ठा किसके साथ होगी। सवाल उठ रहा है, कि क्या मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं संगठनों के लोग पक्ष में मतदान के लिए कन्वर्ट कर पाएगें? अपनी ठेकेदारी की दुकान तो लगभग सभी चला रहे हैं, और वह दुकान पार्टी और सांसद के दम पर चल रही है।

इन दुकानदारों का सेनापति पर कितना विश्वास है, यह तो चार जून ही तय करेगा। सेनापति और निर्णायकों को इस बात को लेकर सतर्क रहना होगा। पांच साल तक पार्टी और सांसद के दम पर दुकानदारी करने वाले लोगों का आर्थिक उत्थान तो हुआ, अब जरुरत पार्टी और सांसद को रिटर्न करने की है। मोर्चा प्रकोष्ठों और ठेकेदारी का आजीविका मिषन वाले कितना रिटर्न कर पाएगें, यह देखने वाला होगा।

मलेशिया भेजने के नाम लाखों की ठगी

ठगों द्वारा लोगों को दिए गए वीजा निकले टूरिस्ट : जांच का हवाला देकर पुलिस ने टरकाया

तेजयुग न्यूज

नसीराबाद/रायबरेली : नसीराबाद थाना क्षेत्र कुछ दिनों से ठगों का गढ़ बनता जा रहा है यहां आए-दिन लोग ठगी के शिकार हो रहे दरअसल होशियार ठग गांव की भोली भाली जनता को विदेश भेजने के नाम कुछ इस कादर से डील करते हैं कि लोग उनके झांसें में आ जाते हैं और गाढ़ी कमाई की रकम उन ठगों के हवाले कर देते हैं। तमाम तो ऐसे परिवार है जिन्होंने धन न होने के चलते घर के जेवरात सहित जमीन की विक्री कर ठगों के दे चुके हैं। इस तरह के कुछ मामले पूर्व में दर्ज भी किए गए हैं लेकिन शायद पुलिस की सुस्त विवेचना या फिर सेटिंग गेटिंग के चलते कड़ी कानूनी कार्रवाई न होने पर ठगों के हौसले बुलंद है नतीजा रोज लोग लूटे जा रहे हैं।

एक ऐसा ही मामला नसीराबाद क्षेत्र के गांव थौरी का प्रकाश में आया है जहां एक शातिर ठग ने तीन लोगों को ठगी का शिकार बनाते हुए लगभग चार लाख रुपए ठग लिए। आरोप है कि उपरोक्त गांव निवासी अभिषेक पुत्र राम खेलावन ने गांव के ही लोगों को मलेशिया भेजने के नाम ठग लिया है। पहली पीड़िता सीता पत्नी अखिलेश ने बताया कि उसने खेत गिरवी रखकर पति को विदेश भेजने के लिए अभिषेक को एक लाख पचास हजार रुपए थे।

> मामला मेरी संज्ञान नहीं है अगर इस तरह की वारदात कोई कर रहा है तो जांच कर कठोर कार्रवाई की जाएगी
> -राजेश कुमार मौर्य थाना अध्यक्ष नसीराबाद

वहीं दूसरा पीड़ित किशन कुमार पुत्र शिव बहादुर पैठाना थाना फुरसत अमेठी ने नसीराबाद पुलिस को शिकायत पत्र दिया है उसे भी मलेशिया भेजने के नाम एक लाख बीस हजार ठग लिए गए। तीसरा रोहित पुत्र कालिका परसदेपुर थाना डीह ने आरोप लगाया है कि उससे भी मलेशिया जाने के नाम पर अभिषेक ने एक लाख बीस हजार रूपए हड़प लिया है। आरोप है कि ठग द्वारा बनाकर दिए गए वीजा टूरिस्ट निकले जिसकी वजह से उन्हें वहां से भागना पड़ा।

किशोरी ने फंदा घर में फंदा लगाकर दी जान

तेजयुग न्यूज

ऊंचाहार/रायबरेली : गांव में दादा दादी के साथ रह रही किशोरी का शव उसके घर में फंदे पर लटकता हुआ मिला, शव देखकर परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा है।

यह घटना कोतवाली क्षेत्र के गांव नौहर का पुरवा मजरे मतरौली की है। गांव के राकेश कुमार रोजी रोटी के लिए अपनी पत्नी के साथ दिल्ली शहर में रहते है। उनकी बेटी दिव्यांशी (15 वर्ष) गांव में अपने दादा दादी के साथ रहती थी। बुधवार को परिजन खेत में काम करने चले गए, दिव्यांशी घर में अकेली थी। काफी देर बाद जब परिजन वापस घर आए तो घर के एक कमरे में दिव्यांशी का शव दुपट्टे के सहारे फंदे पर लटक रहा था। यह नजारा देखकर परिजन सन्न रह गए। मामले की जानकारी ग्रामीणों को हुई तो पूरा गांव एकत्र हो गया। परिजनों में चीख पुकार मच गई। सूचना पाकर गांव पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतवाया और कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा है। कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि किशोरी मंदबुद्धि थी, अवसाद में आकर उसने आत्महत्या की है।

फर्जीवाड़े : 'जेल' की हवा 'खानी' पड़ेगी 'मिश्रौलिया' के 'प्रधान' और 'सचिव' को!

दोनों ने मिलकर मरे हुए महिला को जिंदा दिखाकर हड़पा आवास का पैसा

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...कुदरहा ब्लॉक के ग्राम पंचायत मिश्रौलिया के प्रधान पवन कुमार उर्फ अरुण कुमार यादव और तत्कालीन सचिव राहुल एवं बैंक कर्मियों ने मिलकर मृतका आरती पत्नी सुडडू के नाम पर मरने के बाद आवास का एक लाख 20 हजार हड़प लिया। अब आप सोच रहे होगें, कि मृतका के नाम कैसे आवास एलाट हो सकता है, और अगर एलाट हो भी गया तो मरने के बाद भुगतान कैसे हो गया? हम आप को बताते हैं, कि किस तरह एक मृतक महिला के नाम मरने के बाद आवास पास करवाया और उसके बाद उर्मिला पत्नी बेचू के नाम पर बैक से पैसा निकाल लिया। अब आप यह भी सोच रहे होगें, कि जब पैसा मृतका के खाते में गया तो भुगतान कैसे जीवित महिला के नाम हो गया।

इसके लिए बैंक, प्रधान और सचिव ने मिलकर एक साजिश रची, प्रधान और सचिव ने एक फर्जी ग्राम सभा का प्रस्ताव तैयार किया, जिसमें बैक से मृतका की ओर से यह कहा गया कि उसका पैसा उर्मिला नामक महिला को दे दिया जाए। बैंक ने भुगतान भी कर दिया, और उसके बाद उक्त पैसों को बैंक, प्रधान और सचिव ने मिलकर बंदरबांट कर लिया। इतना ही नहीं जब मृतका के ससुर बाबूलाल को फर्जीवाड़े का पता चला तो वह प्रधान के दरवाजे गया, और पैसा मांगा, मगर प्रधान ने ससुर को मारापीटा और गाली देकर घर से भगा दिया। उसके बाद ससुर ने एफआईआर दर्ज करने के लिए पहले कलवारी थाने और उसके बाद एसपी को आवेदन दिया, लेकिन उसका एफआईआर दर्ज नहीं किया, अलबत्ता कलवारी पुलिस ने ससुर पर दबाव बनाने के लिए उसके उपर ही प्रधान के कहने पर मुकदमा दर्ज करवा दिया।

फिर ससुर ने अधिवक्ता पंकज कुमार प्रजापति के जरिए एससीएसटी अदालत में आवेदन किया, जहां पर विद्वान और लोकप्रिय न्यायाधीष अविनाश चंद्र मिश्र ने इस फर्जीवाड़े में शामिल सभी लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश कलवारी थाने को दिया। चूंकि मृतक के नाम भुगतान हो नहीं सकता, इस लिए प्रधान और सचिव ने मिलकर बैक की सलाह पर उर्मिला नामक महिला के नाम भुगतान करने वाला प्रस्ताव बनाकर बैंक को दिया। प्रधान और सचिव ने मिलकर ससुर के नाम पशुचरनी का 63 हजार का भी बंदरबांट कर लिया। जिले का और शायद प्रदेश का यह पहला ऐसा मामला होगा, जो सामने आया। प्रधान और सचिव इतने लालची हो गए हैं, कि वह मरे हुए लोगों को भी नहीं छोड़ रहे है। ऐसे लोगों की जगह वाकई जेल में ही है। कलवारी पुलिस के बारे में कुछ न कहा जाए तो अच्छा होगा। इस थाने की पुलिस को पीड़ित विरोधी माना जा रहा है। मुकदमा तो मुकदमा न दर्ज करने वाले पुलिस के खिलाफ भी दर्ज होना चाहिए।

कुदरहा ब्लॉक के ग्राम पंचायत मिश्रौलिया का मामला

» आरती पत्नी सुडडू की मृत्यु चार सितंबर 20 को हुई, पैसा निकाला पांच अप्रैल 21 को » प्रधान पवन कुमार उर्फ अरुण कुमार यादव और सचिव राहुल ने बैंक को एक प्रस्ताव मृतका के नाम दिया कि उसका पैसा उर्मिला के नाम तबादला कर दिया जाए » प्रधान और सचिव ने मिलकर बाबूलाल के नाम का पशुचरनी का 63 हजार भी निकाल लिया » विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी ने कलवारी थाने को बैक, सचिव और प्रधान के खिलाफ धारा 419,420,467,468 और 120बी के तहत मुकदमा दर्ज करने का आदेश

जवान 'बेटे' को खोने वाले 'पिता' से मिले 'विधायक'

शोकाकुल परिवार को मदद का भरोसा दिलाया विधायक दूधराम, लालगंज थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर में हुए राजकुमार हत्याकांड का मामला

तेजयुग न्यूज

कुदरहा/बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव में पशुपालक राजकुमार हत्याकांड में मृतक के घर महादेवा के विधायक दूधराम पहुंचे और शोकाकुल परिवार को सांत्वना देते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

महादेवा विधायक दूधराम ने इस्माइल पुर पहुंचकर शोक संत्रिप्त परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने राजकुमार के हत्यारों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि लगता है कि अपराधियों में पुलिस का खौफ खत्म हो गया है।और उनके हौंसले बुलंद है। आये दिन ऐसी घटनाएं देखने-सुनने को मिल रही है। वहीं कलवारी थाना क्षेत्र के गोसैसी पुर में राम मिलन चैधरी हत्याकांड की भी काफी निंदा की। परिजनों के अनुसार राम वृक्ष का 28 वर्षीय पुत्र राजकुमार अपनी मेहनत और कार्यकुशलता के बदौलत पिग फार्म व ऑटो चलवाकर कर पूरे परिवार का भरण पोषण करता था।

रविवार को वह पालहिया गांव में अपने दो तीन दोस्तों के साथ पार्टी करने के बाद इस्माइलपुर में अपने सूअर बाड़े के पास राम जानकी मार्ग पर बने पुलिया के नीचे तखत डाल कर सो गया। सोमवार को उसके टैम्पू चालक झिनकू ने उसके छोटे भाई रवि को राजकुमार के मौत की सूचना दी। वहीं मृतक की पत्नी विजय लक्ष्मी के अनुसार कुछ दिन पहले राजकुमार ने दो जानवर बेंचे थे।

जिसका अड़तीस हजार रुपये बकाया था। खरीददार शेष पैसा देने में आनाकानी कर रहा था। इस बात को लेकर फोन पर कहा सुनी हुई थी।

प्रथम 24 अप्रैल और द्वितीय रेंडमाइजेशन 11 मई को होगा : डीएम अंद्रा वामसी

तेजयुग न्यूज

बस्ती। डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में लोकसभा सामान्य निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक हुई। बताया कि प्रथम रेण्डमाइजेशन 24 अप्रैल व द्वितीय रेण्डमाइजेशन 11 मई को किया जायेंगा।

प्रथम रेण्डमाइजेशन में राजनैतिक पार्टियों को बुलाया जाय तथा द्वितीय रेण्डमाइजेशन में प्रत्याशी को बुलाया जाय। उन्होने बताया कि बीयू, सीयू, वीवीपैट को प्रतिशतवार व आवश्यकतानुसार सुरक्षा बल के साथ मशीनों को निकाला जाय तथा शेष मशीनों को रिजर्ब रखा जाय। उन्होने यह भी निर्देश दिया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर दियेगये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। निर्वाचन के दौरान उपयोग होने वाले वाहनों के संबंध में एआरटीओ को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि समस्त आवश्यक कार्य ससमय पूर्ण कराये। बैठक में एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र, सीआरओ संजीव ओझा, उप जिलाधिकारी रामकृष्ण चैधरी, ईओ नगरपालिका सत्येन्द्र सिंह, एआरटीओ पंकज कुमार तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

बैठक के बाद डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों के साथ कृषि उत्पादन मंडी समिति का निरीक्षण किया, जहां से लोकसभा सामान्य निर्वाचन के लिए मतदान पार्टियों की रवानगी होगी। मतदान के बाद ईवीएम स्ट्रांग रूम में रखे जाएंगे तथा 4 जून को मतगणना संपन्न होगी। उन्होंने स्ट्रांग रूम के लिए निर्धारित सभी कमरों में सुरक्षात्मक उपाय करने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने परिसर की साफ-सफाई के लिए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया है। उन्होंने अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को मंडी परिषद के भीतर की सड़कों का पांच अप्रैल तक मरम्मत कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने मंडी सचिव को निर्देश दिया कि परिसर में स्थापित सभी आठ सीसीटीवी कैमरे सक्रिय हालत में रखे जाएं। उन्होंने मंडी परिषद के कार्यालय परिसर में कंट्रोल रूम स्थापित करने का निर्देश दिया।

एआरटीओ पंकज सिंह से कहा कि वाहन मंडी परिषद के एक गेट से प्रवेश करें तथा दूसरे गेट से उनकी निकासी कराई जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को यहां पर ट्रैफिक व्यवस्था नियंत्रित करने का भी निर्देश दिया है। निरीक्षण के दौरान एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र, सीआरओ संजीव ओझा, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी केशवलाल, अवधेश कुमार, उप जिलाधिकारी रामकृष्ण चैधरी, ईओ नगरपालिका सत्येंद्र सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी, सहायक खाद्य अधिकारी सुशील मिश्रा, मंडी सचिव आर.एस. गुप्ता तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

'अनूप' को 'हराने' वाले या 'हरीश' को 'जीता' पाएगें?

हरीश द्विवेदी के साथ में चलने वाली फौज में कई ऐसे सिपाही हैं, जिन्हें यह डर सता रहा है, कि अगर कहीं हरीश जीत गए, तो उनका नुकसान हो सकता

» भाजपा को हराने वाले अब हरीश द्विवेदी के खेवनहार बने

» कब तक जहर का घूंट पीते रहेगें अनूप खरे, कब इन्हें अमृत मिलेगा?

» इस प्यार को क्या नाम दूं, तेरी बेवफाई का सिकवा करूं तो मेरी मोहब्बत की तौहीन होगी

» हरीश द्विवेदी से पुराना हिसाब-किताब करने वाले भाजपाई इसी दिन का इंतजार कर रहे थे

तेजयुग न्यूज

बस्ती।....भाजपा का दामन थामने वाले अधिकांश ऐसे लोग हैं, जो विधानसभा, नगर पालिका और नगर पंचायत में भाजपा प्रत्याषियों को हराने में जी जान लगा दिया, खुद तो नहीं जीत पाए मगर भाजपा प्रत्याशियों को हासिए पर अवष्य पहुंचा दिया। अगर भाजपा यह सोचती है, कि उसके प्रत्याशी को हराने वाले हरीश द्विवेदी को जीता पाएगें या बढ़त दिला पाएगें? तो भाजपा वालों की इस सोच पर जनता तरस खा रही है।

जनता को सबसे हैरानी नगर पालिका के चुनाव को देख कर हो रही हैं, जिस व्यक्ति के चलते अनूप खरे की पत्नी की हार हुई, और जो व्यक्ति यह सोचकर चुनाव मैदान में उतरा था, कि भले ही वह जीते या न जीते लेकिन भाजपा को हर हाल में हराना है। अगर वहीं व्यक्ति कुछ दिन बाद भाजपा प्रत्याशी को हरा कर भाजपा में आता है, तो इसे हम और आप क्या कहेंगे और समझेगें। अनूप खरे को भाजपा वाले झटका पर झटका दे रहे हैं, फिर भी यह बेचारा हरीष द्विवेदी के लिए लगा हुआ है। पहले इन्हें जहर का घूंट उस समय पीना पड़ा, जब इनकी पत्नी को नगर पालिका में हराने वाले अंकुर वर्मा और उनकी पत्नी को भाजपा ने शामिल किया, अभी जहर का असर कम हुआ नहीं था, कि फिर से इन्हें अब उस समय जहर का घूंट पीना पड़ा, जब इनकी पत्नी को हरवाने में मुख्य भूमिका अदा करने वाले आशीष शुक्ला को ज्वाइन करवाया। इनके शुभचिंतक कहते हैं, कि देखिए अभी न जाने कितना जहर का घूंट अनूप भैया को पीना पड़ेगा। लगता है, कि इनके भाग्य में अमृत कम और जहर अधिक पीना लिखा हुआ है।

जिले की जनता बार-बार भाजपा को चेता रही हैं, कि अगर जिले में भाजपा का झंडा गाड़ना है, तो दलबदलूओं के साथ उन अपनों से सावधान रहना पड़ेगा, जो हिसाब-किताब करने के लिए इसी दिन का इंतजार कर रहे थे। ऐसे लोग अधिक से अधिक भाजपा का नहीं बल्कि हरीष द्विवेदी का नुकसान करने की फिराक में हैं। हालांकि ऐसे लोग चुनाव पर कितना प्रभाव डाल सकते हैं, यह तो चुनाव के परिणाम के बाद ही पता चलेगा। लेकिन एक बात तो तय है, कि भले ही भाजपा के लोग भाजपा के दुश्मन नहीं हैं, मगर हरीष द्विवेदी के हैं। यह एक ऐसा सच है, जो सुनाई भी दे रहा है, और दिखाई भी। हरीश द्विवेदी के साथ में चलने वाली फौज में कई ऐसे सिपाही हैं, जिन्हें यह डर सता रहा है, कि अगर कहीं हरीश जीत गए, तो उनका नुकसान हो सकता है, ऐसे लोग अपने नुकसान की भरपाई करने के लिए क्या कर सकते हैं, यह कहने और लिखने की बात नहीं है। भले ही पार्टी में विष्वास का संकट न हो मगर हरीष द्विवेदी के साथ में चलने वालों को विष्वास का संकट है। भाजपा अगर एक दलबदलू को षामिल कर खुष हो रही है, तो वहीं पर अनेक अपनों को नाराज भी कर रही हैं। कहा भी जाता है, कि दलबदलू उतना लाभ नहीं पहुंचा सकते, जितना अपने नुकसान कर सकते है। आयातित लोगों के आने से सबसे अधिक नाराजगी भाजपा के कार्यकर्त्ताओं में है। इनकी नाराजगी जायज भी है, क्यों कि इन्हें डर है, कि कहीं इन लोगों के सामने उनकी बलि फिर न दे दी जाए। रुधौली विधानसभा और नगर पंचायत रुधौली एवं रामनगर प्रमुखी का चुनाव कौन भूल सकता है।

वह तो रामनगर में 'यषंकात सिंह' मजबूत न होते और उन्हें उपर का सहारा नहीं मिलता तो इन्हें हराने के लिए विरोधियों के साथ सबसे अधिक अपने ही प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रुप से खड़े थे। कौन नहीं जानता कि विधानसभा रुधौली और नगर पंचायत रुधौली की हार किसके कारण हुई। बिंडबना यह है, कि जिनके चलते हार हुई, आज वही लोग भाजपा की गोद में बैठे हुएं है। ऐसे में भाजपा क्या उन लोगों से मदद की उम्मीद करेगी, जिनके चलते हार हुई। जिस व्यक्ति को आए हुए अभी चंद दिन नही हुआ, वह व्यक्ति क्या सालों से भाजपा की सेवा करने वालों का मुकाबला कर पाएंगे। जो व्यक्ति अपने क्षेत्र, पार्टी और मतदाताओं का नहीं हुआ, वह कैसे भाजपा का अचानक हो सकता है।

भाजपा वाले भले ही दलबदलूओं की फौज तैयार कर लें, लेकिन यह फौज जनता और अपनों के गुस्से का सामना नहीं कर पाएगी। वैसे भी भाजपा से अधिक दांव तो 'हरीश द्विवेदी' का लगा हुआ है। देखा जाए तो दलबदलूओं को खोने का कोई डर नहीं हैं, अगर डर है तो हरीष द्विवेदी को। तभी लोग कहते है इश्क और राजनीति में सब जायज है। लोग कह रहे हैं, ऐसे प्यार को क्या नाम दूं, तेरी बेवफाई का सिकवा करुं तो मेरी मोहब्बत की तौहीन होगी। भाजपा में जितने भी आ रहे हैं, वे सभी भगवान षंकर की तरह है, जो भाजपा और हरीष द्विवेदी का बेड़ा पार कराना चाहते है। आजकल जिले भर में पटटा रुद्राभिषेक हो रहा है।